नव भारत, भोपाल - 4 JAN 2010

# मुख्यमंत्री की विकास यात्रा

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषित किया है कि वे राज्य की यात्रा पर निकल रहे हैं और स्थान-स्थान पर जाकर विकास के कामों का क्रियान्वयन व प्रशासन की दक्षता को जांचेंगे व देखेंगे. मुख्यमंत्री ने मंत्रियों व अधिकारियों से कहा है कि चुनावों की आचार संहिताओं के कारण विकास कार्यों में बहुत ही देर हो चुकी है. इसलिये गति बढ़ाकर लक्ष्यों को प्राप्त करना होगा. स्वर्णिम मध्य प्रदेश की परिकल्पना को वास्तविकता का जामा पहनाना होगा. वे मध्य प्रदेश बनाओ अभियान के लिये शीघ्र ही वन अधिकारों के पट्टों के वितरण की स्थल समीक्षा के साथ प्रदेश की यात्रा आरंभ करेंगे. अनियमितताओं अथवा भ्रष्टाचार के प्रकरणों में पकड़े गये लोगों पर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी. सभी विभागों में कहा गया है कि वे विभिन्न केंद्रीय योजनाओं का लाभ प्रदेश के हित में सुनिश्चित करें. विभागों को आदेश दिया गया है कि वे अपने-अपने विभाग का काडर मेनेजमेंट 31 जनवरी तक पूरा कर लें और निर्धारित पद स्थापनायें कर ली जायें.

मुख्यमंत्री ने कहा कि भू-माफियाओं के विरुद्ध अभियान निरंतर चलते रहना चाहिये. मुख्यमंत्री को बताया गया कि भोपाल में 13 दोषी समितियों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज किये गये हैं. सात पदाधिकारी गिरफ्तार किये गये हैं. 63 लोग गिरफ्तार किये गये हैं. 63 लोगों को रुपया वापस दिलाया गया है और 7 को भूखंड दिलाये गये हैं. स्वाइन फ्लू के मामले में भी राज्य में पूरी तैयारी नजर आ रही है. इस समय राज्य में जबलपुर में 3, भोपाल में 6 तथा इंदौरमें 14 स्वाइन फ्लू के मरीजों का इलाज चल रहा है. इस महामारी पर नियंत्रण रखने के लिये 400 चिकित्सकों को रोग के उपचार का प्रशिक्षण दिया गया है. रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंड व एयरपोर्ट पर आवश्यक व्यवस्था करेंगे.

मुख्यमंत्री ने अपने नव वर्ष के उद्देश्यों में शिक्षकों का विशेष ध्यान रखा है. उन्होंने इस विषय पर निर्देश दिये हैं कि सभी श्रेणी के शिक्षकों को हर महीने की पहली तारीख को वेतन दे दिया जाये. मुख्यमंत्री को विकास की योजनाओं के क्रियान्वयन में यह भी सुनिश्चित करना चाहिये किसी भी कार्य का जो समय काल व फंड निर्धारित किया गया है उसमें यदि काम नहीं हो पाया है तो उसकी वजह क्या थी. पिछले कार्य अधूरे पड़े हो तो पहले उन्हें पूरा किया जाना चाहिये. अन्यथा आगे काम बढ़ाने का कोई अर्थ नहीं होगा.